विचार बिन्दु

कठिनाइयों को जीतने, वासनाओं का दमन करने और दुःखों को सहन करने से चरित्र उच्च सुदृढ़ और निर्मल होता है। –अज्ञात

देश की तरक्की में मध्यमवर्ग की अहम भूमिका

कोरोना महामारी ने न केवल वैश्विक अर्थव्यवस्था बल्कि लोगों की आय पर भी खासा असर डाला है। महामारी में लाखों लोग बेरोजगार हो गए तो करोड़ों की नौकरी चली गई। भारत में भी महामारी का असर देखने को मिला है। कोरोना महामारी का सबसे बड़ा शिकार मध्यम वर्ग हुआ है। रोजी रोटी छूटने से भारत में लाखों लोग गरीबी के दलदल में आ फँसे हैं। दो पाटों के बीच में फंसे देश के मध्यम आय वर्ग पर पिछले एक साल में कोविड की गहरी मार पड़ी है। इसने उनकी वर्षों की जमा पूंजी खाकर लगभग 3.2 करोड़ लोगों को इस कैटेगरी से निकालकर निम्न आय वर्ग में धकेल दिया है।

एक हालिया अमेरिकी रिपोर्ट के मुताबिक मध्यम वर्ग को इस अवधि में खाने के लाले पड़ गए। दुनिया में एक तरफ जहां गरीबी कम होती जा रही है और मध्यम वर्ग व निम्न मध्यम वर्ग की संख्या में इजाफा हो रहा है। वहीं भारत में यह वर्ग सिकुड़ता जा रहा है। दुनिया के कई देशों में गरीबी के स्तर में गिरावट देखी गई है और लोगों की जीवनयापन के साधनों में सुधार आया है।

अमेरिका के प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, भारत में पिछले एक साल में 10 से 20 डॉलर (725 से 1,450 रुपए) रोजाना की कमाई वाले 3.2 करोड़ लोग मध्यम आय वर्ग से निकल गए हैं। इसकी वजह कोविड के चलते आई दुश्वारियां रही हैं। कोविड से पहले लगभग 9.9 करोड़ लोग मध्यम वर्ग का हिस्सा थे जिनकी संख्या घटकर अब 6.6 करोड़ रह गई है। इस हिसाब से कोविड के चलते उनकी संख्या पिछले एक साल में एक तिहाई घटी है। इकोनॉमिक ग्रोथ को लेकर प्यू रिसर्च सेंटर ने कहा है, कोविड की वजह से आए डाउनटर्न में भारतीय मध्यम वर्ग का आकार चीन के मुकाबले ज्यादा घटा और उसके मुकाबले गरीबी ज्यादा बढ़ी। भारत में 2011 से 2019 के बीच लगभग 5.7 करोड़ लोग निम्न आय वर्ग से निकलकर मध्य आय वर्ग का हिस्सा बने थे।

हमारे समाज को सदियों से उच्च, मध्यम और निम्न वर्गों में बाँट कर देखा जाता है। उच्च वर्ग धनिक वर्ग में गिना जाता है जिस पर कोई संकट कम ही आता है। निम्न वर्ग अपने हाल पर मस्त है मगर मध्यम वर्ग पर अपने साथ देश की चिंता का भूत सवार रहता है। देश की आजादी में मध्यम वर्ग की बड़ी भूमिका और योगदान रहा है। मध्यम वर्ग, केवल आर्थिक ही नहीं अपितु सामाजिक, सांस्कृतिक एवं व्यापारिक बदलाव, परिवर्तन, विकास एवं संवृद्धि का वाहक भी होता है। उदारीकरण, बाजारीकरण एवं वैश्वीकरण के दौर में सबसे ज्यादा प्रभावित मध्यम वर्ग हुआ है। महंगाई की मार भी यही वर्ग झेलता है। उच्च वर्ग से होड़ करता यह वर्ग अंदर-अंदर खोखला होता जा रहा है।

कोरोना संकट के कारण अर्थव्यवस्था में आई गिरावट से उबरने के लिए वही एकमात्र बलि का बकरा बना है। मध्यमवर्गीय परिवार बुनियादी चीजों जैसे–घर, भोजन, कपड़े, शिक्षा, पर्यटन आदि पर अधिक खर्च करते हैं। भारत में मध्यमवर्गीय परिवारों का खर्च लाखों करोड़ का है। मध्यम वर्ग, एक ऐसा वर्ग जिसे अपने जीवन की न्यूनतम आवश्यकताओं के लिए ज्यादा हाथ पैर नहीं मारने होते हैं। यह वर्ग शिक्षित होता है, आकांक्षी होता है, मेहनती होता है, आर्थिक रूप से सक्षम होता है, विकास के पथ पर सतत अग्रसर होता है परन्तु विलासता पूर्ण जीवन यापन नहीं कर पाता है, साथ ही समाज की घिसी-पिटी रूढ़वादियों से भी मुक्त होने में कभी-कभार असमर्थ होता है। मध्यम वर्ग ने देश के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। असल में भारत की अर्थव्यवथा की धुरी है यह वर्ग। मध्यम वर्ग आर्थिक रूप से कमजोर होता है और दैनिक जीवन में काफी अनिश्चितता का सामना करता है। लेकिन, वह बेहतर जीवन स्तर की आकांक्षा रखता है। यह ऐसा वर्ग है जो लेता कम और कर के रूप में देश को देता ज्यादा है। अपनी आवश्यकतायें पूरी न होने के बावजूद टैक्स की भरपाई में आगे रहता है।

देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में मध्यम वर्ग की आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों के उपयुक्त निराकरण की संभावनाओं वाली घोषणाओं की मध्यम वर्ग के करोड़ों लोगों द्वारा अपेक्षा की जा रही है। क्योंकि मध्यवर्ग ही सबसे ज्यादा खरीदारी करता है।

देश का मध्यम वर्ग अपने भविष्य तथा देश की अर्थव्यवस्था की संभावनाओं के प्रति आशावादी है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक वित्तीय संकट के बावजूद भारतीय मध्यम वर्ग का रुख आशावादी है। ड्यूश बैंक के एक शोध में कहा गया है कि वित्तीय संकट से भारतीय मध्यम वर्ग को झटका लगा है, लेकिन भविष्य को लेकर उसका रुख आशावादी है। जर्मनी के प्रमुख बैंक ड्यूश बैंक की इकाई डीबी रिसर्च ने कहा कि पिछले दो साल के दौरान संकट के चलते भारतीय मध्यम वर्ग को छँटनियों की मार झेलनी पड़ी थी। साथ ही उनके निवेश पोर्टफोलियो के मूल्य में भी गिरावट आई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई परिवारों ने अपने गैर जरूरी खर्चों में कटौती की थी। इसके बावजूद भारतीय मध्यम वर्ग अपने भविष्य तथा देश की अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर आशावादी है। मध्यम वर्ग से निकले प्रोफेशनल्स भारत ही नहीं पूरी दुनिया में अपनी धाक जमाते हैं। मध्यम वर्ग को अवसर चाहिए, मध्यम वर्ग को सरकारी दखलअंदाजी से मुक्ति चाहिए।

एक आम भारतीय की शक्ति, उसकी ऊर्जा, आत्मनिर्भर भारत अभियान का बहुत बड़ा आधार है। मध्यमवर्ग देश की तरक्की में अहम भूमिका निभाता है क्योंकि मध्यवर्ग ही सबसे ज्यादा खरीदारी करता है। देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में मध्यम वर्ग की आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों के उपयुक्त निराकरण की संभावनाओं वाली घोषणाओं की मध्यम वर्ग के करोड़ों लोगों द्वारा अपेक्षा की जा रही है। चूंकि देश का मध्यम वर्ग देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सबसे प्रभावी भूमिका निभा रहा है, अतएव मध्यम वर्ग को सरकार के किसी भी नए आर्थिक-सामाजिक सहयोग से उत्साहवर्धन होगा।

विश्व प्रसिद्ध कंसल्टेंसी फर्म बीसीजी की रिपोर्ट 2019 में कहा गया है कि भारत के उपभोक्ता बाजार को दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले बाजार की पहचान दिलाने में मध्यम वर्ग की प्रभावी भूमिका है। प्रमुखतया देश के मध्यम वर्ग के कारण ही वर्ष 2008 में भारत का जो उपभोक्ता बाजार महज 31 लाख करोड़ रुपए था, वह 2018 में 110 लाख करोड़ रुपए का हो गया। अब भारत का उपभोक्ता बाजार 2028 तक तीन गुना बढ़कर 335 लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा। क्योंकि मध्यवर्ग ही सबसे ज्यादा खरीदारी करता है। देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में मध्यम वर्ग की आर्थिक-सामाजिक चुनौतियों के उपयुक्त निराकरण की संभावनाओं वाली घोषणाओं की मध्यम वर्ग के करोड़ों लोगों द्वारा अपेक्षा की जा रही है।

चूंकि देश का मध्यम वर्ग देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में सबसे प्रभावी भूमिका निभा रहा है, अतएव मध्यम वर्ग को सरकार के किसी भी नए आर्थिक-सामाजिक सहयोग से उत्साहवर्धन होगा। विश्व प्रसिद्ध कंसल्टेंसी फर्म बीसीजी की रिपोर्ट 2019 में कहा गया है कि भारत के उपभोक्ता बाजार को दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाले बाजार की पहचान दिलाने में मध्यम वर्ग की प्रभावी भूमिका है। प्रमुखतया देश के मध्यम वर्ग के कारण ही वर्ष 2008 में भारत का जो उपभोक्ता बाजार महज 31 लाख करोड़ रुपए था, वह 2018 में 110 लाख करोड़ रुपए का हो गया। अब भारत का उपभोक्ता बाजार 2028 तक तीन गुना बढ़कर 335 लाख करोड़ रुपए का हो जाएगा।

–अतिथि संपादक
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

कैसे होगी राजस्थान विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की बहाली

शिक्षक-कर्मचारियों के 50 प्रतिशत पद हैं खाली

- जो विश्वविद्यालय देश और दुनिया में अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अक्सर जाना जाता रहा है आज यह नाजुक हालत में है

राजस्थान विश्वविद्यालय प्रदेश का सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है। इसकी स्थापना 1947 में हुई। राजस्थान विश्वविद्यालय में वर्तमान में 9 संकाय, 37 स्नातकोत्तर विभाग एवं 32 अनुसंधान केंद्र है। वर्तमान में राजस्थान विश्वविद्यालय से 586 महाविद्यालय संबद्ध हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय में 20,000 से ज्यादा विद्यार्थी अध्यनरत हैं। लेकिन राजस्थान के अन्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की तरह राजस्थान विश्वविद्यालय में भी शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह दशकों से शिक्षक एवं कर्मचारियों के बड़ी संख्या में रिक्त पदों पर भर्ती नहीं होना है। जो शिक्षक कार्यरत हैं उनकी पदोन्रित नहीं की जा रही है। यहां तक कि पिछले वर्षों में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्त बड़ी संख्या में शिक्षक प्रोबेशन पूर्ण कर स्थायीकरण के लिए आज भी संघर्ष कर रहे हैं। छात्र शिक्षक-अनुपात विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के मुताबिक नहीं है। यूजीसी के अनुसार 30 छात्रों पर एक शिक्षक होना चाहिए। जबकि राजस्थान विश्वविद्यालय में यह अनुपात दोगुना है। छात्रों की संख्या प्रति वर्ष बढ़ती ही जा रही है तो दूसरी ओर शिक्षक प्रतिवर्ष सेवानिवृत्त हो रहे हैं। यूजीसी के मुताबिक विश्वविद्यालय शिक्षकों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होनी चाहिए लेकिन अभी तक राजस्थान में इसे लागू नहीं किया गया है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में शैक्षिणक एवं गैर शैक्षिणक पदों की भारी संख्या में कमी है। राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी 2020-21 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान विश्वविद्यालय में शिक्षक एवं कर्मचारियों के 50 प्रतिशत से ज्यादा पद रिक्त हैं। प्रोफेसर के लिए स्वीकृत 61 पद में से 58 पद रिक्त हैं अर्थात 95 पद रिक्त हैं। एसोसिएट प्रोफेसर 135 में से सिर्फ 22 पद ही भरे हुए हैं अर्थात 83 प्रतिशत पद रिक्त हैं। इसी प्रकार असिस्टेंट प्रोफेसर के 753 में से 451 पद भरे हुए हैं अर्थात 40 प्रतिशत पद रिक्त हैं। विश्वविद्यालय में रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए जरूरी रिसर्च एसोसिएट के 34 के 34 पद खाली हैं। विश्वविद्यालय का हृदय स्थल माना जाने वाले पुस्तकालय में पुस्तकालय अध्यक्ष का पद रिक्त है। डिप्टी लाइब्रेरियन के 4 के 4 पद खाली पड़े हैं। असिस्टेंट लाइब्रेरियन के 14 में से सिर्फ 7 पद ही भरे हुए हैं। शारीरिक शिक्षा निदेशक एवं सहायक निदेशक के 33 प्रतिशत पद रिक्त हैं। साइंटिफिक ऑफिसर के भी 2 के 2 पद रिक्त हैं। इसी तरह अशैक्षिणक वर्ग के भी 52 प्रतिशत पद रिक्त हैं। विश्वविद्यालय में अशैक्षिणक वर्ग के 1780 पद स्वीकृत हैं जिनमें से 847 भरे हुए हैं और 933 पद रिक्त है।

राजस्थान विश्वविद्यालय में कुल मिलाकर के 50 प्रतिशत से ज्यादा शिक्षक एवं कर्मचारियों के पद रिक्त हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्वविद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनुकूल स्थितियां कैसे बन सकती हैं। जो विश्वविद्यालय देश और दुनिया में अपनी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अक्सर जाना जाता रहा है। आज यह नाजुक हालत में है। क्योंकि सरकारें अस्थायी नियुक्तियां देकर अपना काम निकालती रही है जो कि स्थाई समाधान नहीं है। अक्सर बजट की कमी का बहाना बनाया जाता है। आजादी के बाद देश में सरकारों ने वादा किया है कि शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत व्यय किया जाएगा लेकिन की वादाखिलाफी ही है। क्योंकि सरकार स्वास्थ्य की तरह शिक्षा के क्षेत्र में भी प्राइवेट सेक्टर को बढ़ाना चाहती है। प्राइवेट सेक्टर मुनाफे से संचालित होता है। आज भी शिक्षा पर जीडीपी का करीब 3 प्रतिशत ही खर्च किया जा रहा है। सरकार के वास्तविक व्यय में कटौती की जा रही है। इस बार भी केंद्र सरकार ने शिक्षा पर जीडीपी का 6 प्रतिशत व्यय किये जाने का वादा किया है विशेषकर नई शिक्षा नीति 2020 को लागू करने के लिए। लेकिन शुरुआत ही की है शिक्षा बजट में 6 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की बजट कटौती से।

शिक्षा पर केंद्र द्वारा की जा रही बजट कटौती का असर राज्य सरकारों पर भी पड़ना स्वाभाविक है। जिसके कारण नई भर्ती करने में राज्य सरकार को भी आर्थिक कठनाई आएगी ही। इसलिए जरूरी है कि शिक्षक समुदाय भी शिक्षा पर बजट में वृद्धि की मांग तेज करे। सरकारी बजट बढ़ेगा तभी ही विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में शिक्षक एवं कर्मचारियों के भारी तादाद में रिक्त पड़े पदों पर भर्ती सम्भव हो पाएगी। गेस्ट फेकल्टी जैसे काम चलाऊ जुगाड़ से निजात मिल पाएगी और समावेशी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन पाएगी।

–डॉ.रमेश बैरवा
(प्रदेश संयोजक)
शिक्षा बचाओ आंदोलन
राजस्थान

मेवाड़ी पगड़ी बनी अमेरिका की मैग्जीन की शान

अमेरिका में प्रकाशित मैग्जीन के कवर पेज पर पंड्या परिवार मेवाड़ी पगड़ी के साथ नजर आया।

उदयपुर, (कासं) हिन्दुस्तानी संस्कारित व्यक्ति चाहे कितना भी आगे बढ़ जाए, देश से परदेस चला जाए तब भी वह अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है।

अमेरिका के शिकागो में रहने वाले उदयपुर के मूल निवासी लोचन पण्ड्या, पत्नी डॉ. निशा पण्ड्या पुत्र राघव और पुत्री विदुषी के साथ मेवाड़ को गौरव दिला रहे है। उनकी उपलब्धियों को देखकर जब पूरे परिवार की फोटो को अमेरिका की मैगजीन 'द फाल्स' के अप्रेल माह के अंक में कवर पेज के लिए चुना गया तो उन्होंने इस मौके पर राजस्थानी पगड़ी और पारम्परिक परिधान पहनकर मेवाड़ के गौरव को बढ़ाते हुए इसी वेशभूषा को पहनने का निश्चय किया। इस पत्रिका के मुख पृष्ठ पर न सिर्फ इस परिवार को मेवाड़ी पगड़ी के साथ फोटो छपा है अपितु इसके भीतरी दो पृष्ठों में परिवार की उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी दी गई है।

प्रतिमाह छपने वाली यह मैगजीन अमेरिका के मिड वेस्ट (शिकागो, विस्कोसिन) में अत्यधिक प्रचलित है। और इसके कवर के लिए एसे परिवारों का चयन होता है जिन्होंने समाज और समुदाय के लिए विशिष्ट कार्य करके उपलब्धियाँ पाई हो। लोचन पण्ड्या ने बताया कि अमेरिका में आयोजित होने वाले वर्ल्ड कल्चरर फेयर, इंडियाफेस्ट, रेडियो पानीपुरी, हिन्दू टेम्पल, चर्च फेस्टीवल जैसे कई कार्यक्रमों में परिवार के साथ प्रतिभागिता करते हैं। हाल ही में डॉ. निशा पण्ड्या को हिंदी सेवा सम्मान से भी सम्मानित किया गया। यह परिवार प्रतिमाह एक कार्यक्रम आयोजित करके भारतीय संस्कृति, भाषा, संगीत, कविता, तबला वादन, नृत्य के इच्छुक बच्चों को प्रोत्साहित करते है। कई अमेरिकन भी इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

घायल पैंथर को रेस्क्यू किया

उदयपुर,(कासं.)। धनिकटवर्ती लकड़वास गांव के पास सुबह 7 बजे एक निर्माणाधीन भवन में तेंदुआ होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। जानकारी पर रेस्क्यू टीम ने वन विभाग की टीम के सहयोग से रेस्क्यू किया।

प्राप्त जानकारी अनुसार लकडवास गाँव में एक निर्माणाधीन भवन के अन्दर से तेंदुए की आवाज सुनकर ग्रामीण सहम गए। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग के दल एवं एनिमल रेस्क्यू टीम ने भवन को चारों तरफ से घेरने का प्रयास किया तो तेंदुआ वहां से भाग कर झाड़ियों में छिप गया। वन विभाग के लालसिह, जितेंद्रसिंह, द्वारका प्रसाद, शेलेन्द्र सिंह व सहयोगी संस्था वाइल्ड एनिमल एंड नेचर रेस्क्यसोसाइटी टीम के गौरवसिंह व विक्रम सालवी के सहयोग से घायल नर तेंदुआ को सुरक्षित रेस्क्यू किया।

मंगलवार देर रात वाइल्ड एनिमल एंड नेचर रेस्क्यू सोसायटी, उदयपुर के सदस्य चिराग जैन को चांदपोल क्षेत्र मे गेस्ट हॉउस की छत पर एक बन्दर के बच्चे के घायल होने की सूचना मिली। सूचना पर सोसायटी अध्यक्ष सोहन सिंह सिसोदिया, सदस्य महिपाल पंवार,राम सिंह, मदन सिंह मोके पर पहुचे वहां के निवासियों ने बताया की बड़े बन्दर ने छोटे बच्चे पर हमला कर घायल कर दिया। रेस्क्यू टीम के सदस्य घायल बंदर को चेतक पशु चिकित्सालय लेकर गए। जहा उपचार के बाद बायलोजिकल पार्क लेजाकर वन विभाग को सुपर्द किया।

अजमेर डिस्कॉम का मदार सब डिवीजन अब 'स्पेशल 15' के हवाले

मदार सब डिवीजन के स्पेशल 15 के साथ संभागीय आयुक्त व डिस्कॉम एमडी मौजूद रहे।

- सब स्टेशन पूरी तरह महिला संचालित
- संभागीय आयुक्त और प्रबन्ध निदेशक ने शुभारंभ किया
- मदार क्षेत्र में 39 हजार से ज्यादा उपभोक्ता है

अजमेर, (का.सं.)। अजमेर विद्युत वितरण निगम का मदार सब स्टेशन अब प्रदेश का पहला ऐसा सब स्टेशन बन गया है जो पूरी तरह महिलाओं द्वारा संचालित है। यहां सप्लाई से लेकर बिलिंग और उपभोक्ता सेवा तक सभी कार्य महिलाएं संभालेंगी। निगम ने बुधवार को मदार स्टेशन महिला शक्ति को समर्पित किया।

संभागीय आयुक्त डॉ. वीना प्रधान और डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक वीएस भाटी ने बुधवार को मदार सब स्टेशन में महिला सशक्तिकरण की शुरुआत की। निगम ने मदार कार्यालय पूरी तरह महिला कार्मिकों को सौंप दिया। सब-डिवीजन का संचालन पूरी तरह महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा ही किया जाएगा।

कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त डॉ. वीणा प्रधान ने कहा कि महिला शक्ति आज पूरे विश्व मे परचम फहरा रही है। मदार स्टेशन इस शक्ति की सफलता का नया उदाहरण है। डिस्कॉम का यह प्रयास भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वीएस भाटी ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे उपायों के तहत ही मदार सब-डिवीजन को महिला सब-डिवीजन बनाने का निर्णय लिया गया है। अब इस कार्यालय में सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, सहायक राजस्व अधिकारी, मंत्रालयिक कर्मचारियों से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों तक सभी 15 पदों पर मातृशक्ति ही काम काज संभालेगी। मदार कार्यालय को पूरी तरह महिलाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया गया है। सुरक्षा के लिए अतिरिक्त दरवाजे, उपभोक्ताओं के लिए परिसर में अलग से सुविधाएं विकसित की गई है। भाटी ने बताया कि मदार सब-डिवीजन के सभी पदों पर महिलाओं की नियुक्ति की जा चुकी है। महिला सब डिवीजन के लिए कनिष्ठ अभियंता मीना मनवानी तथा मनीषा शर्मा को लगाया गया है। सहायक राजस्व अधिकारी की जिम्मेदारी कामना सिंह को दी गई है।

39 हजार उपभोक्ताओं की जिम्मेदारी – मदार उपखंड में कुल 39309 उपभोक्ता है जिनमें सर्वाधिक 28197 घरेलू उपभोक्ता है। भाटी ने सभी महिला कर्मचारियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि मदार सब-डिवीजन डिस्कॉम के सभी सब डिवीजनों में बेहतर काम करके दिखाएगा। डिस्कॉम के प्रत्येक वृत्त में ऐसे ही महिला सब-डिवीजन बनाए जाएंगे ताकि उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति, समस्या समाधान, ट्रांसफार्मर, जीएसएस, विद्युत लाइनों का रखरखाव सब महिलाओं की ही जिम्में होंगे।

इस अवसर पर निदेशक वित्त एसके गोयल, निदेशक तकनीकी केएस सिसोदिया, डिस्कॉम सचिव एनएल राठी, कम्पनी सचिव नेहा शर्मा, टीए टू एमडी प्रशांत पंवार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 8 अप्रैल, 2021

चैत्र मास कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2077, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 2:57 तक, शुभ योग दिन 1:50 तक, कौलव करण दिन 2:52 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–वृष, बुध–मीन, गुरू–कुम्भ, शुक्र–मीन, शनि–मकर, राहु–वृष, केतु–वृश्चिक राशि में।

आज पाप मोचनी एकादशी व्रत निम्बार्कों का है। पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:48 तक, चर 10:55 से 12:29 तक, लाभ–अमृत 12:29 से 3:36 तक, शुभ 5:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:43 तक।

मेष
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ने का भय है। मन में असंतोष और भय बना रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

सिंह
व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। आर्थिक स्थिति यथावत बनी रहेगी। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कन्या
आर्थिक मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक विवादों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ
अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी। शुभ कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

मीन
अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यक्तिगत कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है।